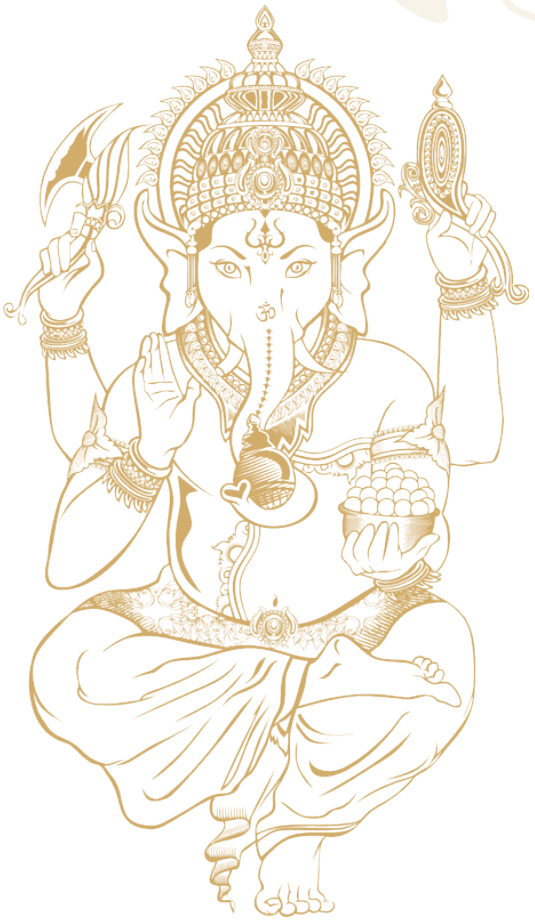

# Hemant

# Shakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121092806

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 29/12/1998 | जन्म तिथि | 09/04/2000 |
| मंगलवार | दिन | रविवार |
| घंटे 13:00:00 | जन्म समय | 18:45:00 घंटे |
| घटी 14:23:19 | जन्म समय(घटी) | 31:49:02 घटी |
| India | देश | India |
| Shamli | स्थान | Saharanpur |
| 29:27:00 उत्तर | अक्षांश | 29:58:00 उत्तर |
| 77:18:00 पूर्व | रेखांश | 77:33:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:20:48 | स्थानिक संस्कार | -00:19:48 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 07:14:40 | सूर्योदय | 05:59:59 |
| 17:30:55 | सूर्यास्त | 18:43:12 |
| 23:50:25 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:51:23 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 7वर्ष 8मा 6दि | | 00:46:20 | मेष | लग्न | कन्या | 27:20:07 | मंगल 3वर्ष 8मा 16दि | |
| मंगल | | 13:31:39 | धनु | सूर्य | मीन | 26:07:58 | गुरु | |
| 05/09/2022 | | 21:32:35 | मेष | चंद्र | वृष | 29:35:51 | 25/12/2021 | |
| 05/09/2029 | | 23:12:09 | कन्या | मंगल | मेष | 18:53:03 | 25/12/2037 | |
| मंगल | 01/02/2023 | 23:44:27 | वृश्चि | बुध | मीन | 01:04:51 | गुरु | 13/02/2024 |
| राहु | 20/02/2024 | 27:42:55 | कुंभ | गुरु | मेष | 17:16:14 | शनि | 26/08/2026 |
| गुरु | 26/01/2025 | 28:10:23 | धनु | शुक्र | मीन | 09:34:09 | बुध | 01/12/2028 |
| शनि | 07/03/2026 | 02:55:40 | मेष व | शनि | मेष | 22:38:49 | केतु | 07/11/2029 |
| बुध | 04/03/2027 | 29:19:00 | कर्क व | राहु व | कर्क | 06:06:45 | शुक्र | 08/07/2032 |
| केतु | 31/07/2027 | 29:19:00 | मक व | केतु व | मक | 06:06:45 | सूर्य | 26/04/2033 |
| शुक्र | 29/09/2028 | 16:58:43 | मक | हर्ष | मक | 26:07:45 | चन्द्र | 26/08/2034 |
| सूर्य | 04/02/2029 | 07:07:22 | मक | नेप | मक | 12:29:17 | मंगल | 02/08/2035 |
| चन्द्र | 05/09/2029 | 15:10:47 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 18:52:24 | राहु | 25/12/2037 |

**लग्न-चलित**

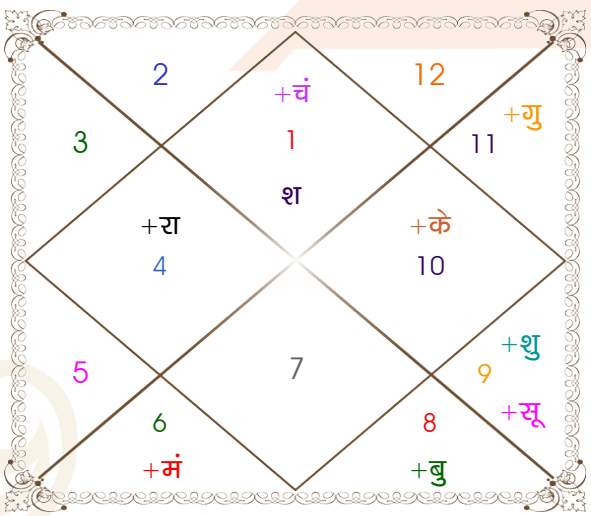


**लग्न-चलित**

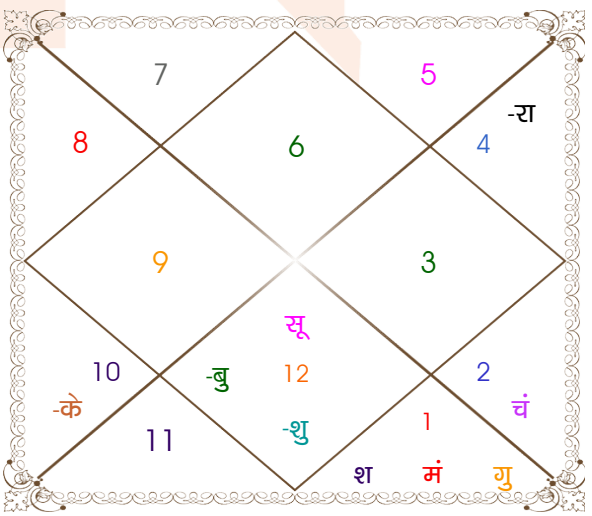



Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | चतुष्पाद | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | वध | क्षेम | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | सर्प | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | शुक्र | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | देव | 6 | 5.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मेष | वृष | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 14.50 | | |

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Shakshi का नक्षत्र मृगशिरा है।

भ्मउंदज का वर्ग मृग है तथा Shakshi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भ्मउंदज और Shakshi का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

भ्मउंदज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Shakshi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shakshi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Shakshi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल भ्मउंदज कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

भ्मउंदज तथा Shakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।